"इस पुस्तक ने मेरी लाइब्रेरी में ख़ास जगह बनाई है।"
— ऑग मेन्डिनो

जीवन अद्भुत है

क्या आप प्रसन्न, उपयोगी, स्वस्थ और निश्चिंत होना चाहते है? तो जोश और उमंग को अपनाएँ!

चार्ली जोन्स

10 लाख से अधिक प्रतियों की बिक्री का रिकॉर्ड

Hindi translation of *Life is Tremendous*

जीवन अद्भुत है! वाक़ई है!

बहुत तनावपूर्ण, व्यवसायिक, स्वचालित, गोलियों खाकर जीने वाले वर्तमान समाज में भी आप खुश, उत्साही, महत्त्वपूर्ण, उपयोगी, स्वस्थ और सुरक्षित रह सकते हैं। यह आसान नहीं है, न ही यह अपने आप होगा। लेकिन अगर आप व्यक्तित्व के कुछ गुण विकसित कर लेते है, जो नेतृत्व के गुण हैं, तो यह हो जाएगा। आप भी लीडर बन सकते है, क्योंकि लीडर पैदा नहीं होते है, बल्कि बनते हैं। तो क्या आप नेतृत्व के लिए तैयार हैं? तो फिर आइए, हम चलना शुरू करते हैं!

जीवन
अद्‌भुत है

चार्ली जोन्स

अनुवाद: डॉ. सुधीर दीक्षित

मंजुल पब्लिशिंग हाउस

मंजुल पब्लिशिंग हाउस
कॉरपोरेट एवं संपादकीय कार्यालय
द्वितीय तल, उषा प्रीत कॉम्प्लेक्स, 42 मालवीय नगर, भोपाल-462003
विक्रय एवं विपणन कार्यालय
7/32, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
वेबसाइट: www.manjulindia.com
वितरण केन्द्र
अहमदाबाद, बेंगलुरू, भोपाल, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, मुम्बई, नई दिल्ली, पुणे

चार्ली जोन्स द्वारा लिखित मूल अंग्रेजी पुस्तक लाइफ़ इज़ ट्रेमेन्डस का हिन्दी अनुवाद

कॉपीराइट © 1968 चार्ली जोन्स

यह संस्करण मंजुल पब्लिशिंग हाउस द्वारा भारत में © 2017 पहली बार टिन्डेल हाउस पब्लिशर्स, इन्कॉर्पोरेटिड के सहयोग से प्रकाशित। सर्वाधिकार सुरक्षित।

व्यंग्य-चित्र: वेन स्टेज़कैल

ISBN 978-81-8322-678-3

हिन्दी अनुवाद: डॉ. सुधीर दीक्षित

यह पुस्तक इस शर्त पर विक्रय की जा रही है कि प्रकाशक की लिखित पूर्वानुमति के बिना इसे या इसके किसी भी हिस्से को न तो पुन: प्रकाशित किया जा सकता है और न ही किसी भी अन्य तरीक़े से, किसी भी रूप में इसका व्यावसायिक उपयोग किया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अनुक्रम

मेरी गारंटी

1. नेतृत्व का अर्थ जीना सीखना है
2. नेतृत्व के सात नियम
    - अपने काम के बारे में रोमांचित बनना सीखें
    - उपयोग करें या खो दें
    - आदर्श काम करें
    - पाने के लिए दें
    - अनुभव के द्वार खोलें
    - लचीली योजना बनाएँ
    - प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहित बनें
3. जीवन के तीन निर्णय
4. लीडर अच्छे पाठक होते है

मेरी गारंटी

इन पन्नों को पढ़ना संभवतः वह सबसे लाभदायक चीज़ है, जो आप कर सकते हैं। मैं यह गारंटी कैसे दे सकता हूँ? देखिए, कुछ समय पहले मैंने ये विचार कई ऐसी कंपनियों में बताए हैं, जिनकी सकल बिक्री 20 अरब डॉलर से भी ज़्यादा है। इसी एक साल में कई अग्रणी सेल्समैन और एक्ज़ीक्यूटिव अपने परिवार के साथ कई बार आए और उन्होंने मेरा तीन घंटे का वही व्याख्यान सुना। व्यवसायियों, गृहिणियों, धर्मगुरुओं और कॉलेज के विद्यार्थियों से मिली चिट्ठियाँ इस बात की गवाह हैं कि इन विचारों के प्रभाव व परिणाम क्रांतिकारी हैं।

अगर आपको इस पुस्तक से फ़ायदा उठाना है, जैसा हज़ारों लोगों ने उठाया है, तो उसे याद न रखें जो मैं यहाँ कहता हूँ... हैरान न हों! आपने सही सुना है! मेरी कही बातों को याद न रखें। आप हैरानी से पूछ रहे होंगे: “क्या आप कोई याद रखने लायक़बात नहीं कहेंगे?” देखिए, मैं यहाँ ऐसी बहुत सी बातें कहूँगा। लेकिन इस पुस्तक का महत्त्व मेरी कही बातों को याद रखने में नहीं है। मेरी कही बातों के फलस्वरूप आप जो सोचते हैं, उसे याद रखें, क्योंकि इसी वजह से यह पुस्तक महत्त्वपूर्ण बनेगी। मेरा उद्देश्य यह साबित करना है कि मेरी कही बातों के फलस्वरूप आप क्या सोचते हैं, वह मेरी बातों को याद रखने से कहीं ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है।

व्याख्यान शुरू करते वक़्त मैं हमेशा सबसे एक ही बात कहता हूँ: मेरी कही बातें न लिखें। मेरा मानना है कि आप जो सुनते हैं, उससे आपका ज़्यादा भला नहीं होता - अगर ऐसा होता, तो हम सब जैसे हैं, उससे बहुत ज़्यादा बेहतर होते! ज़िंदगी में अब तक हमने बहुत सारे निर्देश, सलाहें, नियम और सुझाव सुने हैं, है ना? मैं यहाँ बात को कुछ ज़्यादा ही बढ़ा रहा हूँ, लेकिन मुझे ऐसा करने दें।

एक दिन मीटिंग से निकलते वक़्त एक आदमी ने मुझसे कहा, "मि. जोन्स, मैं आपसे शर्त लगाता हूँ कि दस मिनट बाद इनमें से दस प्रतिशत लोगों को आपकी दस प्रतिशत बातें भी याद नहीं रहेंगी।" उसकी बात सही थी। इसी कारण मैंने अपने व्याख्यानों और पुस्तकों को इस तरह तैयार किया है, ताकि आप यह याद रख सकें कि आप क्या सोचते हैं। इससे कहीं बढ़कर, मैं आपको वह सोचने के लिए प्रेरित करना चाहता हूँ, जो आप पहले से जानते हैं। मेरा सबसे बड़ा उद्देश्य आपकी विचार प्रक्रियाओं को उत्तेजित करना है... आपके सर्वश्रेष्ठ विचारों को शब्दों में ढालने में मदद करना है, ताकि आप उनका इस्तेमाल कर सकें और उनसे फ़ायदा उठा सकें। इसके बाद आप इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि आप क्या सोचते हैं। यदि आप ऐसा करेंगे, तो मेरी गारंटी है कि नेतृत्व के इन नियमों के अभ्यास से आपको बहुत फ़ायदा होगा।

जिन कामों में हमारी ख़ूबियों की ज़रूरत हो, उनमें हम सफल होते हैं; लेकिन हम उन कामों में उत्कृष्ट होते हैं, जिनमें हमारे दोष भी हमारे काम आते हैं।

—अलेक्सिस डी टॉकविल